



शोधविषय स्वीकृति

1 message

Research & Development Cell <rdc@csu.co.in>
To: director-puri@csu.co.in

Wed, Oct 26, 2022 at 5:37 PM

Please find the attachments.

Research Development Cell
Central Sanskrit University
Ganganath Jha Campus,
Azad Park,
Prayagraj-211002
0532-2460956 (Fax), 0532-2460957
<http://www.csu-prayagraj.res.in/>

2 attachments

SADASHIV.xlsx
11K

SADASHIV CAMPUS.pdf
345K



NOTIFICATION NO. 282

Date :27.10.22

Xerox copy of the Letter No.CSU/G→N.Jha Camp/R&Dev-1/2022/128/dtd.20.10.22 received from Prof. Devadatta Sarode Co-ordinator (Research and Development Cell), Ganganath Jha Campus in connection with the approved Synopsis of the Research Scholars of this Campus are here by sent to the following for information and necessary action accordingly:-

- 1) Prof.A.K.Nanda, Co-ordinator/Prof.S.N.Mahalik,Asst.Co-ordinator,Research & Development Cell,Puri .
- 2) All the H.O.Ds, CSU,SSC,Puri
- 3) Concerned Guides of the Research Scholars, /All faculty members,CSU,SSC,Puri.
- 4) Convener, IQAC/NAAC, CSU,SSC,Puri.
- 5) Concerned Research Scholars of this Campus,CSU,SSC,Puri.
- 6) All Notice Boards/Books/Campus website for wide circulation

(PROF.K MISHRA)

DIRECTOR

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
SHREE SADASHIVA CAMPUS, PURI (ODISHA)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

गंगानाथ झा परिसर

चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज (उ.प्र.)

(संसद: अधिनियमन संस्थापितः)

भातशासनस्य शिक्षामन्त्रालयाधीनः



Central Sanskrit University

Ganganath Jha Campus

Chandrashekhar Azad Park, Prayagraj, U.P.

(Established by an Act of Parliament)

Under the Ministry of Education, Govt. of India

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

E-mail: rdc@csu.co.in

पत्रांक- के.सं.वि./गं.ना.झा परिसर/शो.प्र. - 1//2022/ 129

Tel 0532-2977532

20.10.2022

सेवा में,

निदेशक

श्री सदाशिव चंद्रशेखर
पुरी (अधीक्षक)

विषय - स्वीकृत शोधशीर्षक के सन्दर्भ में

महोदय,

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सत्र 2020-21 के शोधच्छात्रों (संलग्न सूची में उल्लिखित) के शोधशीर्षकों को प्राथमिक दृष्टि से स्वीकृत किया गया है। अतः उक्त शोधच्छात्र अपने शोधमार्गदर्शक के निर्देशन में अपना शोधकार्य आरम्भ करें। शोधप्रस्ताव के संशोधन हेतु प्रदत्त टिप्पणीयों एवं निर्देशों के अनुरूप शोधप्रस्ताव को मार्गदर्शक के निर्देशन में संशोधित करके 20 दिसम्बर 2022 तक प्रस्तुत करें।

यह सक्षम अधिकारी के निर्देश पर निर्गत किया गया है।

शोधच्छात्रों की स्वीकृत शोधशीर्षक सूची संलग्न हैं-

सादर,

3458
(प्रो. देवदत्त सरोदे)
संयोजक

प्रतिलिपि -

- i. कुलसचिव, के.सं.वि., नई दिल्ली
- ii. अधिष्ठाता शैक्षिक
- iii. सहायक निदेशक शोध
- iv. सम्बद्ध संञ्चिका

1
(प्रो. देवदत्त सरोदे)
संयोजक

SN	Researcher	Guide	Discipline	Campus	Topic	Experts' Comments & Suggestions	Conclusion
1	GOPAL KRUSHNA MISHRA	Prof. Dr. Khageshwar Mishra	Dharma Shastra	Shri Sadashiv Puri Campus	पण्डितश्रीचन्द्रमाधवझाशर्मप्र णीत-प्रायश्चित्तनिर्णयस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	i. मातृकासम्पादनशोधकार्यमिदम् । ii. विषयः समीचीनः । मातृकायाः केषाञ्चन पृष्ठानां प्रतिलिपयः	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते ।
2	SANU SAHOOO	Prof. Lalit Kumar Sahoo	Dharma Shastra	Shri Sadashiv Puri Campus	बुद्धिनाथझाप्रणीतव्रतनिर्णयस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	i. विषयोऽयं समुचितो वर्तते। शोधप्रारूपमपि सुष्ठु वर्तते। ii. भाषा शुद्धा वर्तते, द्वित्राः टङ्कणदोषाः दृष्टाः। iii. शोधप्रारूपस्य सर्वेऽपि बिन्दवो गृहीताः। iv. मातृकायाः केषाञ्चित् पृष्ठानां प्रतिलिपयः संयोज्याः । v. विषयस्समीचीनः। vi. पूर्व कृतानां शोधकार्याणां विवरणं न प्रदत्तम्।	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते ।

3	TWINKIL ROUT	Prof. Lalit Kumar Sahoo	Dharma Shastra	Shri Sadashiv Puri Campus	श्रीमहामहोपाध्यायराघवोपाध्याय विरचिततिथितत्त्वनिर्णयस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	<p>i. मातृकासम्पादनात्मकशोधः।</p> <p>ii. उद्देश्यानि लेखनीयानि।</p> <p>iii. सम्भावितशोधनिष्पत्तिः Research Out Come. लेखनीया।</p> <p>iv. टङ्कणदोषः परिहार्यः।</p> <p>v. मातृकायाः केषाञ्चित् पृष्ठानां प्रतिलिपयः संयोज्याः।</p> <p>vi. अस्याः मातृकायाः इदं प्राथम्येन सम्पादनं क्रियते इति निरूपणीयम्।</p> <p>vi. विषयः समीचीनः।</p>	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते।
4	RAJASHREE JENA	Dr. Uday Nath Jha	Sahitya	Shri Sadashiv Puri Campus	माधवकविप्रणीतस्य वीरभानूदयकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	<p>i. शोधप्रारूपमिदं समुचितं प्रतीयते।</p> <p>ii. टङ्कणदोषाः परिलक्षिताः।</p> <p>iii. शोधप्रारूपस्य केचन बिन्दवोऽत्र न गृहीताः।</p> <p>iv. मातृकासम्पादनेन सम्बद्धः अयं विषयः।</p> <p>v. शोधविधेः प्रतिपादने स्पष्टता नास्ति।</p> <p>vi. उद्देश्यानि व्यवस्थितरूपेण</p>	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते।

5	SAKUNTAL A MOHAPATR A	Dr. Uday Nath Jha	Sahitya	Shri Sadashiv Puri Campus	आर्यासप्तशत्याः प्रकाशिकाव्याख्यायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	i. शोधप्रारूपमिदं समुचितं वर्तते। शोधप्रारूपस्य प्रायशः सर्वेऽपि बिन्दवोऽत्र गृहीताः। ii. भाषागता अशुद्धयः सन्ति। iii. शोधपद्धतिः इत्यस्मिन् शीर्षके शोधकार्यार्थं प्रस्ताविता शोधपद्धतिः नोल्लिखिता वर्तते। iv. शोधोद्देश्यानि व्यवस्थितरूपेण न लिखितानि।	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते।
---	--------------------------------	----------------------	---------	---------------------------------	---	--	---

6	SASMITA PANDA	Dr. Uday Nath Jha	Sahitya	Shri Sadashiv Puri Campus	रमानन्दठक्कुरप्रणीत- रसतरङ्गिण्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	<p>i. विषयदृष्ट्यायं शोधविषयस्तु समुचितो वर्तते।</p> <p>ii. नैकेषु स्थलेषु भाषासम्बन्धिनः दोषाः सन्ति।</p> <p>iii. टङ्कणकार्ये अपि बहुत्र दोषाः सन्ति।</p> <p>iv. शोधप्रस्तावे शोधपद्धतिः, शोधप्रकृतिः, शोधस्य सम्भावितफलितांशश्चेत्यादयः बिन्दवः तदनुकूलतथ्येन रहिताः सन्ति अतः पुनः लेखनीयाः।</p> <p>v. सन्दर्भग्रन्थसूच्यां केचन एव ग्रन्थाः प्रदत्ताः।</p>	1- शोधशीर्षकं प्राथमिकमिकदृष्ट्या स्वीक्रियते।
---	------------------	----------------------	---------	---------------------------------	---	--	--